

के अन्तर्गत प्रकाशित खुले सामान्य लाइसेंस सं. 23/88, दिनांक 30 मार्च, 1988 में आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 5 के पश्चात् निम्न पैराग्राफ जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“5क. आयातक को आयात, खपत और सारे आयातित माल की समुपेयोजन और उसके द्वारा किए गए निर्यातों का उचित लेखा निर्धारित प्रपत्र में रखना होगा और वषा अपेक्षित वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में निर्यात आयुक्त और सम्बद्ध लाइसेंसिंग प्राधिकारी को मासिक रूप से भोजना होगा। आयातक को उसके मामले में सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य अधिवृद्धि शर्त की अनुपालना करनी होगी। उसे उसके नाम में जारी किए गए अनुज्ञापत्र या आशय पत्र औद्योगिक लाइसेंस में दी गई सभी अन्य शर्तों की अनुपालना करनी होगी। उक्त किसी भी शर्त की अनुपालना से अभ्यर्थी हों पर खुला सामान्य लाइसेंस का उल्लंघन माना जाएगा और किसी अन्य कार्रवाई जैसे निरस्तीकरण या अनुज्ञापत्र या आशय पत्र या औद्योगिक लाइसेंस के प्रतिबन्धन को ध्यान में रखे बिना आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) और उसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अधीन दण्डनीय कार्रवाई की जाएगी”।

नोट : मुख्य आदेश 30 मार्च, 1988 के का.आ. 351(अ) द्वारा प्रकाशित किया गया था।

[फाइल सं. 6/108/87 ई पी सी]

ह./-

राजीव लोचन मिश्र,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO : 36/88-91

New Delhi, the 8th September, 1988

S.O. 853 (E) :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendment in the Open General Licence No. 23/88, dated the 30th March, 1988, notified by the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 351 (E) dated the 30th March, 1988, namely :—

In the said notification, after paragraph 5, the following paragraph shall be inserted, namely :—

“5A. The importer shall maintain in the prescribed form, proper account of the import, consumption and utilisation of all imported materials and of the exports made by him and submit them periodically as required to the Ministry of Commerce, Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports and the licensing authority concerned. The Importer shall adhere to the minimum value added condition stipulated by the Government in his case. He shall also conform to all other terms and conditions incorporated in the Permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence issued to him. Failure to abide by any of the said terms and conditions shall be construed as violation of this Open General Licence and the importer shall be liable to penal action under the provisions of the Imports and Exports (Control) Act, 1947, (18 of 1947) and rules framed thereunder, without prejudice to any other action such as cancellation or revocation of Permission Letter or Letter of Intent or Industrial Licence.”

Note : —The Principal Order was published vide Number S.O. 351 (E) dated the 30th March, 1988.

[F. No. 6/108/87-EPC]  
Sd/-

R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.





# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 461] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 9, 1988/भाद्रपद 18, 1910  
No. 461] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 9, 1988; BHADRA 18, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

विकास आयुक्त (भेषज उद्योग) का कार्यालय

अद्विश

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1988

का. आ. 854(अ).—केन्द्रीय सरकार, औषधि (कीमत नियंत्रण) अधिनियम, 1987 के  
पैरा 3 के उपपैरा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व